



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

ग्रन्थालय

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] नई विलासी, मगधवार, जनवरी 1, 1974/पौष 11, 1895

No. 3] NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 1, 1974/PAUSA II, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे इक पहले अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Petroleum aur Rasayan Mantralaya)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st January 1974

G.S.R. 5(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Kerosene (Fixation of Ceiling Prices) Order, 1970, namely:—

1. (1) This Order may be called the Kerosene (Fixation of Ceiling Prices) Amendment Order, 1974.
- (2) It shall come into force on the 1st day of January, 1974.
2. In the Kerosene (Fixation of Ceiling Prices) Order, 1970, after clause 8, the following clause shall be inserted, namely:—
- “9. **Saving**—Nothing contained in this Order shall apply to the sale at air-fields of Aviation Turbine Fuel to the International airlines including Air India.”

[No. F. IS-28014/4/73-PPD]

A. P. VERMA, St. Secy.

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1974

अधिसूचना

साठ काठ नि० ३(अ).—ग्रावम्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मिट्टी का तेल (अधिकतम मूल्यों का नियतन) ग्रादेश, 1970 का और संशोधन करने के लिए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित ग्रादेश बनाती है, अर्थात्:—

(1) (i) यह ग्रादेश मिट्टी का तेल (अधिकतम मूल्यों का नियतन) संशोधन ग्रादेश, 1974 कहा जा सकेगा।
(ii) यह जनवरी, 1974 के प्रथम दिन से प्रवृत्त होगा।

(2) मिट्टी का तेल (अधिकतम मूल्यों का नियतन) ग्रादेश, 1970 में धारा 3 के पश्चात् निम्नलिखित धारा जोड़ी जायेगी। अर्थात्:—

“9 बचत—एयर इण्डिया सहित इन्टरनेशनल एयर लाइन्स को हवाई ग्रहों पर होने वाले एक्वियेशन टरबाइन प्यूएल (विमानन टरबाइन इंजन) के विक्रय पर इस ग्रादेश की कोई बात लागू नहीं होगी।”

(फाइल मंड़ा—ग्राइ०एस०-२८०/४/७३—वीपीडी)

ए० पी० वर्मा,
संयुक्त सचिव।